

**प्री बोर्ड परीक्षा – 2018  
विषय – हिन्दी विशिष्ट  
कक्षा – दसवीं (X<sup>th</sup>)**

**समय – 3 घण्टे**

**निर्देश:-**

**पूर्णांक – 100**

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न रायरो पहले हल कीजिए।
2. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वरतुगिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए एक-एक अंक निर्धारित हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 6 से 16 तक के लिए दो-दो अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए।
4. प्रश्न क्रमांक 17 से 19 तक के लिए तीन-तीन अंक निर्धारित हैं। शब्द रीमा 30 से 75 शब्द हैं।
5. प्रश्न क्रमांक 20 से 25 तक के लिए घार-गार अंक निर्धारित हैं। शब्द गीमा 75 से 120 शब्द हैं।
6. प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 के लिए पाँच-पाँच अंक निर्धारित हैं। शब्द रीमा 120 से 150 शब्द हैं।
7. प्रश्न क्रमांक 28 के लिए (07+03) दरा अंक निर्धारित हैं। 'अ' के 7 अंक तथा 'ब' के लिए 3 अंक।
8. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उराके सामुख्य अंकित हैं।

**प्रश्न.1– निम्नलिखित कथनों के सही विकल्प चुनकर लिखिए –**

(1X5=5)

- i. हिनातय की झीलों में कवि नागार्जुन ने तैरते हुए देखा है –  
(अ) मछली को (ब) मृग को (स) हरतों को (द) नारी को
- ii. लोक सत्संकृति का जन्म हुआ –  
(अ) शहरों में (ब) गाँवों में (स) विद्यालयों में (द) करयों में
- iii. रक्षाद्यधन पाठ की विधा है –  
(अ) कविता (ब) कहानी (स) आत्मकथा (द) सांरमरण
- iv. 'नीरस' का सन्धि-विच्छेद होगा –  
(अ) निरा+रस (ब) निः+रस (स) नि+अरस (द) निर+अरा
- v. अद्भुत रस का स्थायी भाव है –  
(अ) रति (ब) निर्वेद (स) शोक (द) विरमय

**प्रश्न.2– निम्नलिखित रिक्त रथानों की पूर्ति उपरित शब्द का घयन कर कीजिए –**

(1X5=5)

- i. गिरिधर द्वारा प्रयुक्त छंद..... है। (दोहा/कुड़लियाँ)
- ii. ..... को हमारे देश के लेखकों ने रोलह कलाओं का अवतार कहा है। (राम/कृष्ण)
- iii. नर्मदा के उत्तर कुड़ से थोड़ा रा..... घलने पर 'माई की बगिया' है। (नीघे/उपर)
- iv. रसोईधर..... समाज का उदाहरण है। (तत्पुरुष/कर्मधारण)
- v. चौपाई छद में मात्राएँ..... होती हैं। (16/18)

**प्रश्न.3– निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य/असत्य छौट कर लिखिए –**

(1X5=5)

- i. कवि अभिमन्यु अनति नियति से प्रश्न करते हैं।
- ii. गौव का आदमी निरक्षर भले ही हो, लेकिन सुरांगलृत होता है।
- iii. निदक समाज में सम्मान के पात्र होते हैं।
- iv. जो कभी नहीं मरता वह जगर कहलाता है।
- v. खण्डकाल्य मुक्तकवाय का एक भंड है।

**प्रश्न.4– निम्नलिखित वाक्यांशों का मिला और सही जोड़ी बनाकर लिखिए –**

(1X5=5)

(अ)	(ब)
i. 'पथ की पहचान'	(क) प्रेमचन्द्र
ii. 'परीक्षा'	(ख) हरिवशराय गङ्गन
iii. 'थके हुए कलाकार रो'	(ग) लोकरीमा न उल्लंघन
iv. 'पृथ्वीराज रातो'	(घ) धर्मवीर गङ्गती
v. अतिशयोक्ति अलंकार	(ङ) मलकाण

प्रश्न.५— निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में या एक शब्द में लिखिए -

(1X5=5)

- i. बिना शिचारे झार्य करने से क्या होता है ?
- ii. गीताशास्त्र के महान उपदेशक कौन हैं ?
- iii. शल्य चिकित्सा के प्रवर्तक कौन हैं ?
- iv. दो पदों के मेल को क्या कहते हैं ?
- v. रस के कितने अण होते हैं ?

प्रश्न.६— 'स्तुति खण्ड' में जायसी ने कितने द्वीपों और भुवनों की चर्चा की है ?

(2)

। अथवा

सखी प्रातः काल किसके द्वार पर जाती है ?

प्रश्न.७— मनु का हर्ष मिश्रित झटका-सा क्यों लगा ?

(2)

अथवा

दयामयी माता के तुल्य किसे माना गया है ?

प्रश्न.८— निशाकाल से चिरअभिशापित' किसे कहा गया है ?

(2)

अथवा

बसंत के आने पर कौन तान भरने लगता है ?

प्रश्न.९— व्यक्ति सम्मान के योग्य कब बन जाता है ?

(2)

अथवा

प्रत्येक सफल राहगीर क्या लेकर आगे बढ़ा है ?

प्रश्न.१०— आक्रोश में आकर मजदूरों ने क्या किया ?

(2)

अथवा

कवि के अनुसार कौटे की मर्यादा क्या है ?

प्रश्न.११— आधुनिकता सम्प्रदाय का विरोध क्यों करती है ?

(2)

अथवा

सत्य का आश्रय छोड़ने का क्या दुष्परिणाम होता है ?

प्रश्न.१२— स्थित प्रज्ञता कैसे प्राप्त होती है ?

(2)

अथवा

किसान के हाथ-पैर किसे कहा गया है ?

प्रश्न.१३— राजा दीवान सुजानसिंह का आदर क्यों करते थे ?

(2)

अथवा

महर्षि वेदव्यास क्यों प्रसिद्ध हैं ?

प्रश्न.१४— ज्ञान और दीपक के आपसी संबंध को स्पष्ट कीजिए।

(2)

अथवा

धर्मवीर भारती के अनुसार अधबनी धरा पर अभी क्या-क्या बनना शेष है ?

प्रश्न.१५— निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए - (कोई दो)

(2)

- i. जो ईश्वर पर विश्वास करता है।
- ii. वह बच्चा जिसके माता-पिता न हों।
- iii. जिसके समान दूसरा न हो।

अथवा

नेम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए (कोई दो)

- i. श्री गणेश करना।
- ii. दिन-रात एक करना।
- iii. रात में सागर भरना।

प्रश्न.१६— 'गीति त्र छन्द' का उदाहरण लिखिए।

(2)

हरिगीतिक छन्द के दो लक्षण लिखिए।

प्रश्न.१७— "कुछ लोग जै निर्दोष मिथ्यादी होते हैं" कथन को स्पष्ट कीजिए।

(3)

अथवा

यक्ष के संसार के सबसे बड़े आश्चर्य संबंधी प्रश्न पर युधिष्ठिर ने क्या उत्तर दिया ?

प्रश्न.18— निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए — (3)

- दीपक बाजार जा रहा है। ( प्रश्न वाचक वाक्य )
- गणित का प्रश्न—पत्र कठिन है। ( निषेधात्मक वाक्य )
- तुम्हे अपना गृह कार्य करना चाहिए। ( आदेशात्मक वाक्य )

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए —

- खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।
- हर्षित शुद्ध गाय का धूप पीता है।
- अमित को अनुत्तीर्ण होने की आशा है।

प्रश्न.19— अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (3)

अथवा

अतिशयोक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न.20— प्रगतिवाद की दो विशेषताएँ लिखते हुए इस काल के दो कवियों के नाम उनकी रचनाओं सहित लिखिए। (4)

अथवा

रातिकाल की दो विशेषताएँ लिखते हुए इस काल के दो कवियों के नाम उनकी रचनाओं सहित लिखिए

प्रश्न.21— कहानी एवं उपन्यास में कोई चार अंतर लिखिए। (4)

अथवा

जीवनी एवं आत्मकथा में कोई चार अंतर लिखिए।

प्रश्न.22— जयशक्ति प्रसाद अथवा तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित विन्दुओं के आधार पर लिखिए। (4)

- दो रचनाएँ
- भावपक्ष—कलापक्ष
- साहित्य में स्थान

प्रश्न.23— रामवृक्ष बेनीपुरी अथवा श्रीलाल शुक्ल का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित विन्दुओं के आधार पर लिखिए। (4)

- दो रचनाएँ
- भाषा—शैली
- साहित्य में स्थान

प्रश्न.24— निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की व्याख्या संदर्भ प्रसंग सहित कीजिए — (4)

अतिगत—गति कष्टु कहत न आवै।

ज्यों गूँगे मीठे फल कौ रस, अंतरगत ही भावै।

परम स्वाद सवही सुनिरतर, अमित तोष उपजावै।

मन—बानी कौ अगम अगोचर सो जानै जो पावै।

रूप—रेख—गुन—जात—जुगति बनु निरालंब कित धावै।

सब विधि अगम विचारहिं तातैं सूर सगुल पद गावै।

अथवा

नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,

खिला हो ज्यों विजली का फूल

मेघवन बीच गुलाबी रंग।

प्रश्न.25— निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए। (4)

धिक्कार है तुम्हें ! नकली बूँदी भी प्राणों से अधिक प्रिय है। जिस जगह एक भी हाड़ है, वहाँ बूँदी का अपमान आसानी से नहीं किया जा सकता ? आज महाराणा आश्चर्य के साथ देखेंगे कि यह—खेल केवल खेल नहीं रहेगा, यहाँ की चप्पा—चप्पा भूमि सिसोदियों और हाड़ओं के खून से लाल हो जाएगी।

गाँवों का आदमी जाने कब से बाट जोह रहा है कि कोई आये और उससे भी कुछ ले जाए। उसका समग्र जीवन एक अनपढ़ी खुली पुस्तक की तरह सामने विछा है। उसका रहन-राहन, खान-पान, वस्त्राभूषण, आचार-विचार, रीति-रिवाज, विश्वास और मान्यताएँ, गीत और कथाएँ, गृह, रागीत और कलाएँ हमें कुछ न कुछ देने की क्षमता रखते हैं।

**प्रश्न.26-** निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (5)

मानव का अकारण ही मानव के प्रति अनुदार हो उठना न केवल मानवता के लिए लज्जाजनक है, वरन् अनुचित भी है। वस्तुतः यथार्थ मनुष्य वही है, जो मानवता का आदर करना जानता है, कर सकता है। केवल इसलिए कि कोई मनुष्य बुद्धिहीन है, अथवा दरिद्र, वह घृणा का तो दूर रहा, उपेक्षा का पात्र नहीं होना चाहिये। मानव तो इसलिए सम्मान के योग्य है कि वह मानव है, भगवान की सर्वश्रेष्ठ रथना है।

**प्रश्न-**

- i. उपर्युक्त गद्यांश की शीर्षक लिखिए।
- ii. यथार्थ मनुष्य किसे कहते हैं ?
- iii. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

**प्रश्न.27-** अपनी निर्धनता का उल्लेख करते हुए अपने विद्यालय के प्राचार्य को शुल्क-मुक्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिए। (5)

**अथवा**

अपनी बड़ी बहन के विवाह में अपने मित्र को आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखिए।

**प्रश्न.28-(a)** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए - (7)

- i. पर्यावरण प्रदूषण
- ii. विद्यार्थी और अनुशासन
- iii. जल ही जीवन है
- iv. राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता
- v. विज्ञान के बढ़ते चरण

(b) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबध्द की रूपरेखा लिखिए - (3)

- i. राष्ट्रीय पर्व
- ii. पुस्तकालय का महत्व
- iii. कम्प्यूटर का महत्व

-----X-----